जलता हुआ नरक

हज़ारों डिग्ग्रियों की गर्मी !

और एकभी बूँद पानी नहीं ।

पीड़ित ोये आत्माएँ हमोा के लिए जल रही है ।

यीशु मसीह जलते हुए नरक में विश्वास करता था, इसी लिए उसने पिता परमेश्वर की गोद को छोड़कर इस दुखभरी संसार मे आया । उसने सोने के रास्ते और प्रशंसा करते दूतों को छोड़ा कि वह इस धरती में क्रूस पर चढ़े ताकि आप और मैं जलते हुए नरक से बच सकें ।

धर्मशास्त्र के लूका १६:२३ और २४ में लिखा है, "और अधोलोक में उस ने पीड़ा में पड़े हुए अपनी आखें उठाई, और दूर से इब्राहीम की गोद में लाजर को देखा । और उसने पुकार कर कहा, हे पिता इब्राहीम, मुझ पर दया करके लाजर को भेज दे, ताकि वह अपनी उंगुली का सिरा पानी में भिगोकर मेरे जीभ को ठंडी करे, क्योंकि मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूँ ।" मरकुस ८:३६ में धर्मशास्त्र कहता है, "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा ?"

एक दिन नरक में, आपको कोई तकलीफ किसी मसीही से नहीं होगी, जो आपको एक सुसमाचार का परछा देने की कोशिश में हो । ना आपको किसी आत्मा जीतने वाले के बारे में चिंतित होना पड़ेगा जो आपके दखाज़े पर खटखटाए और आपको गिरजा बुलाए । नहीं, लेकिन आपको हर सुसमाचार का प्रचार जो आपने कभी सुना था याद आयेगा, हर सुसमाचार परछा उद्धार पाने की प्रार्थना करते हुए हर सुसमाचार परछा हर कोमल वाक्य, अपनी माँ, उपदेशक या मसीही दोस्त ने दी हो जो आपने इन्कार किया या फाड़ डाला याद आयेगा आप भी एक दिन उस अमीर मनुष्य की तरह होंगे जिस के बारे में आपने अभी लूका १६:२३&२४ में पढ़ा । आप रो रहे होंगें और आपकी जलती प्यास को बुझाने के लिए आपको एक बूँद पानी की भीख माँगनी होगी ।

धर्मशास्त्र मत्ती २३:३३ में कहता है, "हे साँपों हे करैतों के बच्चों, तुम नरक के दण्ड से क्योंकर बचोगे?" आप की क्या राय है; क्या नरक में आप अपनी नित्यत्व को बिताना चाहेंगे ?

धर्मशास्त्र भजन संहिता ६:१७ में कहता है, "दुष्ट अधोलोक में लौट जाएँगे, तथा वे सब जातियाँ भी जो परमेश्वर को भूल जाती है ।" और मत्ती २५:४१ में लिखा है :"... हे श्रापित लोगो, मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शौतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है ।" परन्तु आप दुष्ट और श्रापित मरे, जो उद्धार न पाने से होता है; तो आप उनके साथ वहाँ होगें ।

दोस्त, आप किसी की यह बात में न आएँ कि जब आप मर जाएँगे सब समाप्त हो जाएगा । धर्मशास्त्र इब्रानियों के नाम पत्री ९:२७ में कहता है, "और जैसे मनुष्यों के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है ।" परमेश्वर कहते है कि न्याय आपके मौत का पीछा करता है, इसी लिए अब ही आप उस से मिलने के लिए तैयार हो जाइये, क्योंकि आज भी न्याय का दिन हो सकता है । धर्मशास्त्र प्रकाशितवाक्य २०:२५ में कहता है, "और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में झाला गया ।"

दोस्त, मैं आपके लिए यीशु मसीह के नाम में बिनती करता हूँ कि आप अपने पापमय, दुष्ट कर्म से मुँह मोड़े और यीशु मसीह के साथ नया जीवन पाँए । एक दिन मैं भी उसी रास्ते पर चल रहा था जो जलते नरक की ओर ले जाती है । लेकिन मैं ने सोचा, "एक और उत्तम रास्ता ज़रुर होगा ।" मैं ने अपने हृदय और आत्मा को यीशु मसीह

को अर्पित कर दिया और अब मै यह धर्मशास्त्र के वचन को अपने जीवन मे अपनाता हूँ, २ कुरिन्थियों ५:१७ "सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है; पुरानी बातें बीत गई है; देखो, वे सब नई हो गई ।" यीशु मसीह को धन्यवाद।

स्वर्ग या नरक? आप फैसला कीजिए । अगर आप खोए हैं और अपने नाम को परमेश्वर के जीवन की पुस्तक में लिखवाना चाहते है, तो आप **जलते हुए नरक** से बच सकते है । सिर्फ यीशु पर भरोसा रखिए और यह प्रार्थना कीजिए, "यीशु मसीह, मेरे पापों को क्षमा कर, इसी क्षण मेरे हृदय में आ और मुझे बचा । आमीन ।" – डवैट वाटकिन्स्

इस परछे को पढ़ने के बाद अगर आप यीशु मसीह को अपना मुक्तिदाता मानकर स्वीकार करते है तो इस परछे को हमें वापिस भेजिये ।

नाम : .....

पता : .....

शाहर .....

पिन कोड :.....

FELLOWSHIP TRACT LEAGUE
P.O. BOX 164 • LEBANON, OH 45036
www.fellowshiptractleague.org © Tract 5510 (Hindi)
All tracts free as the Lord provides. Not to be sold.